SHRI RANJIB BISWAL (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI P.L PUNIA (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. Now, Shri Naresh Agrawal. ...*(Interruptions)*... Your time is over. ...*(Interruptions)*... The names of all the hon. Members, who have associated themselves with it, may be included. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Naresh Agrawal.

Concern over increasing road accidents due to absence of an effective road safety system

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): सर, हर साल सड़क दुर्घटनाओं में देश में करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं, जिस में 50 परसेंट नौजवान होते हैं। सर, overloading से भी करीब 25000 लोगों की हर साल डेथ होती है। हमारे मंत्री श्री नितिन गडकरी जी देश में नेशनल हाइवे बनाने की घोषणा करते हैं। एनएचएआई ने पेट्रोल, डीज़ल पर सेस भी लगाया है ताकि देश में सड़कों का निर्माण हो। **...(व्यवधान)...**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...*(Interruptions)*... Sit down. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेश अग्रवाल : लेकिन उस cess से रोड़ सेफ्टी सिस्टम को डेवलप नहीं किया जा रहा है। आप विश्व में कहीं भी चले जाइए, तो वहाँ स्पीड हमसे दोगुनी है, अगर कहीं धोखे से accident हो जाए, तो फौरन क्रेन आएगी, trauma centre available है, ambulance available है, लेकिन हमारे देश में क्या है? क्या कहीं भी रोड़ सेफ्टी सिस्टम है? श्रीमन्, आज accident हो जाए, तो accident करने वाला अगर यह चाहता है कि जिसका accident हुआ है, वह उसको हॉस्पिटल पहुँचा दे, तो वह उसे इस डर से हॉस्पिटल नहीं पहुँचाता है कि कहीं उसको जनता पीट-पीट कर मार न दे, क्योंकि कोई protection नहीं है। जब मैं ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर था, तो रोड़ सेफ्टी सिस्टम के ऊपर कई मीटिंग्स हुई थीं, भारत सरकार से भी मीटिंग्स हुई थीं और यह तय हुआ था कि देश में हर 50 किलोमीटर पर एक trauma centre होगा, डॉक्टर्स होंगे, रोड सेफ्टी पुलिस होगी, पुलिस की वैन होगी, क्रेन होगी, ambulance होगी, लेकिन यह कभी implement नहीं हुआ। आज यह हालत है कि हर तीसरा ड्राइविंग

लाइसेंस फर्जी है। हिन्दुस्तान में तो जो चाहे घर बैठे ड्राइविंग लाइसेंस पा ले। श्रीमन्, जो road safety symbols हैं, मैं कह सकता हूं कि जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस है, उनमें से 80 प्रतिशत को road safety symbols का ज्ञान नहीं है। मैं तो सरकार से कहूँगा कि 10th से 11th के बीच जो शिक्षा है, वह उसमें road safety symbols का एक पाठ्यक्रम रख कर एक पर्चा शुरू कर दे, तो कम से कम लोगों को पता लग जाए कि जो सिग्नल लगा हुआ है, उस सिग्नल के अनुसार हमें किस हिसाब से चलना है।

श्रीमन्, मैं भारत सरकार से यह अनुरोध करता हूँ कि वह अपने cess में से कुछ प्रतिशत रोड सेफ्टी के लिए जरूर निकालें, नहीं तो जो बढ़ती हुई मौतें हैं, जितनी accidents की वजह से मौतें हो रही हैं, वे हमारे देश के लिए बहुत अच्छी नहीं हैं और टू-व्हीलर्स के लिए पूरी कंट्री में हेलमेट अनिवार्य किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ramesh, you can associate yourself.

SHRI C.M. RAMESH (Telangana): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issued raised by the hon. Member.

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

† **چودھری منوّر سلیم (اتّر پردیش)** : مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع کے ساتھ سمبدّھ کرتا ہوں۔

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री तपन कुमार सेन (पश्चिमी बंगाल): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

†Transliteration in Urdu script.

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

Concern over slow implementation of the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana in certain districts of Telangana

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Mr. Deputy Chairman, Sir, this House has often discussed the tragedy of farmers' suicides. What we are going to speak about is the anatomy of such suicides and why this happens. The Government of India has said that they have launched the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana all over the country. This was released according to a time-table wherein, for Telangana, the dates have been for cotton 14th June, for Chilli 19th June and 31st July for kharif. Accordingly, the money should have reached the banks. The money is being released to the State Government. But only partially it is being released to the banks. As a result of which farmers in half of the districts in Telangana have not got any loan disbursement at all. Not only that, the kharif season has started one month ago. Everyone knows that we had delayed rains and subsequently, we got extra rains, as a result of which the farmers were unable to access any of these loans because 31st July date is over. The time has expired according to the time-table of the Government of India. No Utilisation Certificates have been collected by the Collector or the Agricultural Officers, so much so that the banks have not got Utilisation Certificates, they have not disbursed loans at all. Farmers are running from pillar to post to get loans. The State Level Bankers' Committee has decided that 29 lakh farmers should have got the money by now. Not even 30 per cent of the farmers have got any kind of relief. This target has not been met at all. The banks in Telangana State have not even started disbursement of loans in half of the districts.

Now, Sir, under these circumstances, through you, I am requesting the Government that they should extend the date of the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana. You can't go by your Central time-table for your administrative convenience. This has to reach the farmers. Otherwise, farmers are left with no money to purchase fertilizers or seeds and perform their farming duties. They have no access to any loans because they have already exhausted other loans. As a result of this, there is going to be a disaster Kharif Season in the Telangana State. Nearly five districts have not received even one paisa as of now.